प्रेस विज्ञप्ति / Press Release **25 फरवरी / February, 2021**

सिडबी द्वारा स्वावलंबन दिव्यांगजन असिस्टिव टेक मार्केट एक्सेस फंड स्थापित करने के लिए सोशल अल्फा के साथ गठबंध

SIDBI joins hands with Social Alpha to set up Swavalamban Divyangjan Assistive Tech Market Access Fund

असिस्टिव टेक्नोलोजी क्षेत्र में नवोन्मेषिता के संवर्द्धन और दिव्यांगजनों के अन्य खर्चों को घटाने हेतु अब तक का सबसे पहला समावेशी फंड; सोशल अल्फा द्वारा संपोषित प्रत्येक स्टार्टअप को रु.20 लाख तक की अनुदान राशि प्राप्त हो सकेगी

First ever inclusion fund in the Assistive Technology sector to promote innovation and reduce out-of-pocket expenditure for persons with disabilities; Each Social Alpha incubated startup will get access to up to Rs 20 lakh grant

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास में संलग्न प्रमुख वित्तीय संस्था, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) ने स्वावलंबन दिव्यांगजन असिस्टिव टेक मार्केट एक्सेस (एटीएमए) फंड स्थापित करने के लिए सोशल अल्फा के साथ हाथ गठबंध किया है। यह फंड, अपनी तरह का पहला समावेशी फंड है जो असिस्टिव टेक्नोलॉजी क्षेत्र में काम करने वाले सोशल अल्फा-संपोषित स्टार्टअप्स को वित्तीय अनुदान देता है।

Small Industries Development Bank of India (SIDBI), the Principal financial institution engaged in the promotion, financing and development of Micro, Small & Medium Enterprises (MSMEs) has joined hands with Social Alpha to set up the Swavalamban Divyangjan Assistive Tech Market Access (ATMA) fund, a first of its kind inclusion fund offering financial grant to Social Alpha-incubated startups working in the Assistive Technology sector.

इसके तहत, प्रत्येक संपोषिती स्टार्ट-अप को कार्यान्वयन समर्थन के लिए रु.20 लाख रुपये तक की अनुदान राशि उपलब्ध होगी। यह फंड, शुरुआती उपयोगकर्ताओं की पहुंच में सुधार लाने और नई तकनीकों की अधिप्राप्ति पर होने वाले खर्च को कम करने के लिए उत्पाद की कीमत के 50% तक वित्तपोषण करेगा।

Under this, each incubatee will have access to implementation support of up to Rs 20 lakh. The fund will finance up to 50% of product price for the initial users improving the access and reducing the out of pocket expenditure for procuring new technologies.

इस साझेदारी के बारे में बोलते हुए, सिडबी के उप प्रबंध निदेशक श्री वी. सत्य वेंकट राव ने कहा, "एमएसएमई और विकास क्षेत्र, कोविड-19 महामारी से सबसे अधिक प्रभावित हैं। सरकार ने इसका संज्ञान लेते हुए, आत्मनिर्भर भारत अभियान के माध्यम से, एमएसएमई क्षेत्र को देश के आर्थिक पुनरुत्थान में सहायक बनाने के लिए बढ़ावा देने के उपाय किए हैं। एमएसएमई को सहायता प्रदान करने और अन्यान्य फंडों के परिचालन में सिडबी के वृहत अनुभव को देखते हुए, स्वावलंबन दिव्यांगजन एटीएमए फंड अर्थात एक सामाजिक प्रभाव निधि को विकसित करना, इस मिशन का हिस्सा बनने का एक सुअवसर है।"

Speaking about this partnership, Shri V Satya Venkata Rao, Deputy Managing Director of SIDBI said, "MSMEs and the development sector are the worst impacted by the Covid-19 pandemic. Taking cognizance, Government, through AtmaNirbhar Bharat Abhiyan, has taken measures to boost the MSME sector to be instrumental in the economic revival of the country. With SIDBI's vast experience in catering to MSMEs and operating various funds, developing a Social Impact fund i.e., Swavalamban Divyangjan ATMA Fund comes as an opportunity to be part of this mission."

श्री मनोज कुमार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और सह-संस्थापक, सोशल अल्फा ने कहा, "सहायक प्रौद्योगिकियों में नए बाजार बनाना एक बड़ी चुनौती है और इसके लिए पारितंत्र के विकास में महत्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता है। एटीएमए फंड ने अभिनव समाधानों के त्वरित अंगीकरण को सक्षम बनाकर, सहायक प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए एक नए युग की शुरुआत की है । हम मानते हैं कि अन्य खर्च में होने वाली कमी; मांग को उत्प्रेरित करेगी, जो इस क्षेत्र में ली जाने वाले उद्यमशीलता जोखिम की दीर्घकालिक स्थिरता और विकास के लिए आवश्यक है। हम सिडबी के साथ साझेदारी करके खुश हैं क्योंकि इस समर्थन से इस फंड को, अखिल भारतीय इनक्यूबेटरों को शामिल करते हुए, इस क्षेत्र में किए जा रहे अनुसंधान और विकासात्मक प्रयासों को बहु-अपेक्षित बढ़ावा देने में मदद होगी।"

Shri Manoj Kumar, CEO and co-founder, Social Alpha, said: "Creating new markets in Assistive Technologies has been a big challenge and requires significant investment in ecosystem development. ATMA fund heralds a new era for the Assistive Technology sector by enabling early adoption of innovative solutions. We believe that the reduction in out-of-pocket expenditure will catalyse demand, which is essential for the long-term sustainability and growth of entrepreneurial risk taking in this sector. We are happy to partner with SIDBI as its support can help scaling this fund to include pan-India incubators while offering a much-needed boost to this sector's research and development efforts."

सहायक प्रौद्योगिकियों के लिए भारत एक उभरता हुआ बाजार है। सोशल अल्फा अपनी प्रौद्योगिकी संपोषण, उद्यम त्वरण और बीज पूंजी कार्यक्रमों के माध्यम से बाजार निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

सोशल अल्फा, जोखिम पूंजी तक पहुंच प्रदान करने के अलावा, नवोन्मेष स्टार्टअप को उनकी प्रयोगशाला में बाजार की यात्रा में सहायता के लिए नैदानिक भागीदारों और एनजीओ का एक नेटवर्क बना रहा है।

Assistive Technologies are an emerging market opportunity in India. Social Alpha has been playing a pioneering role in market creation through its technology incubation, venture acceleration and seed capital programmes. In addition to providing access to risk capital, Social Alpha has been building a network of clinical partners and NGOs to support the innovative startups in their lab to market journey.

स्टार्टअप पूरे साल भर सोशल अल्फा में संपोषण के लिए आवेदन कर सकेंगे। आवेदन करने वाले स्टार्टअप को एक कठोर चयन प्रक्रिया से गुजरना होगा। सोशल अल्फा उन सहायक प्रौद्योगिकियों की पहचान करेगा जिन्हें व्यावसायिक योजना के समर्थन और मूल्यांकन की आवश्यकता है। आगे सम्यक सावधानी के अध्यधीन संपोषिती भी सोशल अल्फा के अनुगामी निवेश के लिए पात्र होंगे।

The startups will be able to apply for Social Alpha incubation throughout the year. Applying start-ups will go through a rigorous selection process. Social Alpha will identify the Assistive Technologies that need support and evaluate the business plan. The incubatees will also be eligible for Social Alpha follow-on investment, subject to further due diligence.

भारत में, 40 से 80 मिलियन दिव्यांग व्यक्ति हैं, प्रति बारह परिवारों में से एक परिवार में एक दिव्यांगजन उस परिवार का सदस्य है। हालांकि, कम साक्षरता स्तर, सामाजिक दूषण और अवसरों की कमी के कारण, दिव्यांग-जन समाज के सबसे बहिष्कृत सदस्य बने हुए हैं। दिव्यांग बच्चे स्कूल से बाहर रहते हैं, दिव्यांग वयस्कों के बेरोजगार होने की संभावना भी होती है, दिव्यांग सदस्य वाले परिवार आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं और बूढ़ी होती आबादी से घर और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर इसका बहुत अधिक वित्तीय दबाव पड़ता है।

In India, there are anywhere between 40 to 80 million persons-with-disabilities (PWDs)— i.e.., one in twelve households has a family member with a disability. However, due to low literacy levels, social stigma and lack of opportunities, people with disabilities remain the most excluded members of society. Many children with disabilities stay out of school, disabled adults are likely to be unemployed, families with a disabled member tend to be economically weaker, and the ageing population puts a lot financial stress at both the household and national levels.

हालाँकि, सहायक प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता अच्छी तरह से स्थापित है, भारत में गैर-पारंपरिक सहायक प्रौद्योगिकी समाधानों के लिए एक जीवंत बाजार का अभाव है, जो विकलांग लोगों को सहारा दे सके। ऐसा इसलिए है क्योंकि सहायक प्रौद्योगिकी उद्योग की मूल्य श्रृंखला टूट गई है; वितरण, बिक्री और सेवा तंत्र खराब रूप से स्थापित है और कई मामलों में, गैर-मौजूद भी है। दिव्यांगों की आबादी देश भर में बहुत अधिक बिखरी हुई है और औपचारिक बाजार चैनलों की कमी के कारण पहुंच भी सीमित है। इसके अलावा,

आवश्यकता और सामर्थ्य के बीच का अंतर बहुत बड़ा है, इस प्रकार दिव्यांग लोगों द्वारा अधुनातन नवाचारों को प्रयोग में लाया जाना बेहद कठिन हो जाता है।

Though need for Assistive Technologies is well established, India lacks a vibrant market for disruptive Assistive Technologies solutions that can uplift people with disabilities. This is because the Assistive Technologies industry's value chain is broken; distribution, sales and service mechanisms are poorly established, and, in many cases, non-existent. The disabled population is highly fragmented across the nation, and access is restricted due to a lack of formalized market channels. Moreover, the gap between need and affordability is huge, thus making it extremely difficult for persons with disabilities to access the latest innovations.

एटीएमए फंड बाजार में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे नए सहायक प्रौद्योगिकी उत्पादों की गुणवत्ता और पहुंच दोनों में सुधार करने के लिए एक साधन होगा। यह दिव्यांगता क्षेत्र के लिए एक नयी सोच के पुनर्विचार को प्रेरित कर सकता है।

The ATMA fund will be an instrument to improve both the quality and accessibility of newer Assistive Technology products trying to enter the market. It can inspire a radical rethinking of the disability sector.

संपोषण कार्यक्रम में आवेदन के लिए assistivetech@socialalpha.org से संपर्क किया जा सकता है।

To apply to the incubation program, one can reach out to: assistivetech@socialalpha.org

सिड्बी के बारे में: 1990 में अपने गठन के बाद से सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न स्तरों पर नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। चाहे ये पारंपरिक व घरेलू छोटे उद्यमी हों; उद्यमिता पिरामिड के निम्नतम स्तर के उद्यमी हों अथवा उच्चतम स्तर के ज्ञान-आधारित उद्यमी/ निर्यात संवर्धन हों, सिडबी ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से विभिन्न ऋण और विकासात्मक उपायों के माध्यम से 360 लाख लोगों के जीवन को छुआ है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट https://www.sidbi.in पर जाएँ।

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional domestic industry, small units, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, medium enterprises to high-end knowledge-based industries and export promotions, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of more than 360 lakh people through various credit and developmental measures. For more information, please visit: https://www.sidbi.in/

सोशल अल्फा के बारे में: सोशल अल्फा एक बहुचरण इनोवेशन क्यूरेशन है और विज्ञान और प्रौद्योगिकी स्टार्ट-अप के लिए उद्यम विकास मंच है जो उद्यमिता और बाजार बनाने वाले नवाचारों की शक्ति के माध्यम से सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करता है। 2016 में

अपनी स्थापना के बाद से, सोशल अल्फा ने 40 से अधिक बीज निवेश सहित 150 से अधिक स्टार्ट-अप का समर्थन किया है। कृपया अधिक जानकारी के लिए www.socialalpha.org पर जाएँ।

About Social Alpha: Social Alpha is a multistage innovation curation and venture development platform for science and technology start-ups that address the most critical social, economic and environmental challenges through the power of entrepreneurship and market-creating innovations. Since its inception in 2016, Social Alpha has supported more 150 start-ups including 40+ seed investments. For more information, please visit www.socialalpha.org

मीडिया संपर्क: नीलाश्री बर्मन, मोबाइल: +91 8879760249, ई-मेल: neelasrib@sidbi.in
Media contact: Neelasri Barman, Mobile: +91 8879760249, E-mail: neelasrib@sidbi.in